STUDY NOTES BASED ON FIRST BELL CLASS 2.0

STD: 10 EPISODE : 33 DATE: 3-12-2021

पाठ का नाम: गुठली तो पराई है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) शादी के कार्ड में गुठली का नाम क्यों नहीं छपा ?

उत्तर : लड़की होने के कारण शादी के कार्ड में गुठली का नाम नहीं छपा ।

2) " तेरा नाम तो अपने कार्ड में छपेगा" इसका मतलब क्या है ?

उत्तर : तेरा नाम तो तेरी शादी के कार्ड में छपेगा।

3) " पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे- से बच्चे का नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा . . . . . | ” यहाँ कौन सी सामाजिक- अव्यवस्था की झलक मिलती है ?

उत्तर : दीदी की शादी के कार्ड में भइया के छोटे- से बच्चे का भी नाम है । लेकिन लड़की होने के कारण गुठली का नाम नहीं छपा था | भइया का बच्चा छोटा है । पर वह लड़का है। इसलिए कार्ड उसका नाम छपा । यह तो एक सामाजिक अव्यवस्था है। यहाँ स्त्री पुरुष को समान स्थान नहीं मिला है। समाज हमेशा पुरुष केन्द्रित दिखता है। घर में पुरुषों का स्थान सर्वोपरि है। ऐसा मनोभाव ठीक नहीं है। समाज में लड़के लड़कियों को समान स्थान मिलता है।

4) गुठली अपनी दीदी के साथ बिताए मजेदार दिनों की याद करने लगी । वह दीदी के साथ मिलकर क्या क्या करती थी ?

उत्तर : वे दोनों साथ साथ कहानियाँ पढ़ती थी, वे दोनों साथ साथ खाना खाती थीं, साथ साथ चित्र बनाती थी , मस्ती करती थी, और खूब हँसती थी।

5) शादी के बाद गुठली की दीदी में क्या क्या बदलाव आया था ?

उत्तर : न पहले जैसी मस्तीखोर , बातूनी, साड़ी पहनकर सिमटी सिमटी रहने लगी थी। जिस भाई को वह ‘ नकटू ’ कहकर बुलाती थी उसे वह भैया कहने लगी थी।

6) ‘ गुटली तो पराई है’ नामक कहानी से हमें क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर : घर में सभी बच्चों को, चाहे लड़का हो या लड़की, समान रूप से पालना चाहिए | बच्चों में भेद भाव दिखाना उचित नहीं।

7) गुठली अपने मन की बातें सहेली से बताना चाहती है। लिखे सहेली के नाम गुठली का पत्र |

स्थान

तारीख

प्रिय सहेली, आप कैसी है ? सकुशल तो है न ? मैं एक विशेष बात जानने के लिए यह पत्र लिख रही हूँ। क्या आपके घर में लड़के लड़की का कोई भेद- भाव है ? क्या मेरा कुछ अनुभव सुनना चाहती हो ? अपने घर के लोग मुझे पराए घर की चीज मानते हैं । बुआ, माँ सब यही बीच बीच में कहती रहती है । यह क्या सही है ? क्या हमें अपने भाइयों की तरह अपने घर में रहने का अधिकार नहीं । ये लोग ऐसा क्यों है? हमें इसके विरुद्ध आवाज उठानी है।

सोचती हूँ आपके माता- पिता सकुशल है। उनको मेरा नमस्कार कहना ।

सेवा में

- - - -

आपकी सहेली,

(हस्ताक्षर)

गुठली

नवीन शब्दार्थ

मेहमान - അതിഥി

चचेरे भाई बहन - പിതൃസഹോദര പുത്രന്മാർ

ममेरे भाई- बहन - മാതൃസഹോദര പുത്രന്മാർ

फुल मस्ती- ആഹ്ലാദം

मुह उतरना - उदास होना

ताऊ —വല്യച്ചൻ

ताई - വല്യമ്മ

डाँटना - ശകാരിക്കുക

मनहू सियत - അശുഭം

हद - പരിധി

मस्तीखोर —ആവേശമുള്ള, ഉൽസാഹമുള്ള

बातूनी - വായാടി

सिमटना - ഒതുങ്ങുക

शिष्टता पूर्वक व्यवहार - ഔപചാരികമായ പെരുമാറ്റം

ऊटपटांग - അസംബദ്ധമായ

निहारना - देखना

तपाक से - പെട്ടെന്ന്

चौका - അടുക്കള

दहलीज़ - വാതിൽപ്പടി

खुद —സ്വയം

****